

⇒ प्रतिनिधि सभा (House of Representatives)

प्रतिनिधि सभा अमेरिकी कांग्रेस का प्रथम सदन था। 1789 में इसे बनाया गया। 17वें संविधान के पहले सिर्फ पक्षी एक सदन था, जिसका निर्वाचन भी प्रत्यक्ष: जनता द्वारा होता था, क्योंकि 1789 के पहले सीनेट का निर्वाचन जनता द्वारा नहीं होता था। 17वें संविधान के उपरांत सीनेट को प्रतिनिधि सभा की तरह प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा चुनी जाना बनी। अतः निर्वाचन का आद्य रूप इस तरह रहा जहाँ कि इससे जनता का व्यापक प्रतिनिधित्व हो सके।

प्रतिनिधि - सभा की सदस्य संख्या और निर्वाचन
(Membership and Election of the House of Representatives)

प्रतिनिधि सभा अनुसूचित या अपसूचित भी अतः संविधान में यह निर्धारित नहीं किया गया कि इससे कितने सदस्य होंगे। कांग्रेस ने सभ्य - सभ्य पर कानून बनाकर संख्या निर्धारित की है पहली सभ में 59 सदस्य थे, जिन्हें अनुसूचित का वृद्धि इसका संख्या बढ़ती गई और 1791 ई. के अंत - अंत में संख्या 435 हो गई। पुनः 1961 ई. में ही अनुसूचितों के आद्य पर यह संख्या 435 ही का ही गई है।

पद्य संविधान ने प्रतिनिधि सभा में सदस्यों की संख्या निर्धारित नहीं की, तथापि इसने यह निश्चित कर दिया था कि प्रत्येक क्षेत्र सभ्य लैंगों पर एक से अधिक सदस्य नहीं चुना जाएगा। लेकिन प्रत्येक राज्य से कम से कम एक प्रतिनिधि आवश्यक रखने का प्रावधान किया गया। संविधान ने यह निर्धारित नहीं किया है कि सभ्य चुने का अधिक्य दिन - दिन लैंगों को होगा।

यह निर्धारित करने का अधिक्य राज्यों को दिया
 गया है और प्रतिनिधि सभा को उत्तर प्रयोग
 लोकसभा को प्रति सभा अधिक्य एक उत्तर-प्रयोग
 चुनाव - दो प्रणाली द्वारा चुने जाते हैं 18 वर्ष
 के प्रत्येक नर-नारी को प्रमाधिक्य प्राप्त है
 मतदाता बनने के लिए यह भी आवश्यक है कि
 व्यक्ति उक्त राज्य में कुछ समय तक रहा हो।
 यह अबधि विभिन्न राज्यों में 2 पाठ से लेकर 2
 वर्ष तक है पाठनों और देश-अधिकां को प्रमाधिक्य
 के क्षेत्र का दिया गया है 1964-65 के दशक में
 को भी सफर प्रमाधिक्य प्राप्त है जहां है

चुनाव क्षेत्रों का निर्माण करना अपेक्षा
 में राज्य - विधानसभा को भी अपेक्षा है और

प्रत्येक उत्तरधारी इल 'जैरीमेंडरिंग' (Jerry Manderling)
 प्रथा द्वारा इसका सुल्पाग बना रहा है इस प्रथा का
 शर्त है कि उत्तरधारी इल चुनाव क्षेत्रों का इस दंग
 के निर्माण से कि किसी इल के उत्तरधारी को संभव
 करे चाहे के क्षेत्रों में क्षेत्र का दिया जाए तथा
 अपने उत्तरधारी को अधिक - के - अधिक क्षेत्रों में इस
 यह के पैना दिया जाए कि चाहे - चाहे बहुमत के
 अपने प्रत्पाती विरोधी इल के मुकाबले में जीत और
 आज भी इस प्रथा के विरुद्ध अपेक्षा में कार्य
 राव है।

प्रमाणार्थ - उत्तरधारा के लिए निम्न प्रमाणों में

- (i) यह 25 वर्ष की आयु पूरी हो चुका है
- (ii) यह रूप से कम 7 वर्ष तक अपेक्षा का नागरिक है।
- (iii) यह अपेक्षा में नागरिक का अधिक प्रमाधिक्य न
- (iv) यह उक्त राज्य तथा जिले का निवासी है अर्थात् के चुनाव मत रहा है।

आपत्तियाँ :-

उपरोक्त आपत्तियों की रूपाय - आप परिनिधि
आप की उपस्थिति के लिए निर्णयित आपत्तियाँ

की निर्धारित की गई थी -

1) कोई भी व्यक्ति कांग्रेस के किसी एक एक उपस्थिति
उप उपस्थिति नहीं हो सकता, जब तक वह
उपस्थिति का एक पत्र नहीं भेजता है।

2) आप ही, कोई भी उपस्थिति नहीं आवेगी
पत्र पर उपस्थिति नहीं किया जा सकता, जिस पर आप
निर्णय उपस्थिति उपस्थिति के माध्यम से किया है।

⇒ आपत्तियों का समाधान, वैन एवं अत्रे :-

परिनिधि - आप के उपस्थिति 2 वर्षों के लिए निर्णयित
होती है इसके बाद एक एक आप निर्धारित हो जाती है
अत्रे. अपरिणी परिनिधि - आप का समाधान विषय के
आप अत्रे के लिए उपस्थिति के समाधान की उचित है
कहा गया है परिनिधि आप के उपस्थिति उपस्थिति का
42, 500 डॉलर वार्षिक वैन पिना है इसके अलावा,
उन्हें किरानी रखने तथा उपस्थिति उपस्थिति के लिए
अत्रे तथा अप अत्रे पिना है।

⇒ समाधान (Procedure) :-

उपस्थिति के 20 वें एक उपस्थिति
के अनुसार, ' कांग्रेस परिवर्ष एक एक उपस्थिति
होगा और उपस्थिति के उपस्थिति की उपस्थिति से उपस्थिति
होगा'। कांग्रेस के दोनों उपस्थिति का अधिकतम उपस्थिति
एक चला रहा है, जब तक कि इसके उपस्थिति अधिकतम
के समाधान के लिए पत्र न दें। दोनों उपस्थिति का
अधिकतम एक एक उपस्थिति होगा है यदि दोनों के
एक ही विधि का समाधान के लिए उपस्थिति न हो तो
उपस्थिति राष्ट्रपति उपस्थिति का निर्णय करेगा है
राष्ट्रपति किसी निर्णय उपस्थिति की उपस्थिति के लिए निर्णय
अधिकतम अपरिणी का उपस्थिति है।